



माननीय राजस्व मण्डल महोदय ग्रालियर मध्य पुढे

निगरानी प्रकरण संख्या/-

वर्ष 2016

तिता - ८२० - II - १६

अशोक कुगार जैन आत्मज श्री हुकुमचन्द्र जैन निवासी  
टीकमगढ़ तहसील व जिला टीकमगढ़ म०प्र०

-----आवेदक/निगरा

बनाम

मध्य पुढे शासन

-----अनावेदक

निगरानी अन्तर्गत हारा ५० म० प्र० ३० रा० स० प्रतिकूल  
निर्णय एवं आदेश न्यायालय अनुचिभागीय अधिकारी टीकमगढ़  
जिला टीकमगढ़ म०प्र० दिनांक १५-१२-२०१५ जो कि प्रकरण  
क्रमांक ८३/बी-१२१/२०१५-०१६ मे पारित किया गया जो कि  
न्यायालय तहसीलदार टीकमगढ़ के प्रकरण क्रमांक ११४/अ-६८/  
२०१२-०१३ मे पारित आदेश दिनांक ११-१२-२०१२ से उत्पन्न ।

महोदय,

आवेदक निगरानीकर्ता अपनी निगरानी मे सादर निम्न विनय करता

है ।-

१/- यह कि प्रकरण के तथ्य संकेत मे इसायकार बताये गये कि ग्राम उत्तमपुरा मौजा  
की थी शासकीय भूमि छसरा नम्बर १०७ १४। रकवा २१। हेक्टेयर की भूमि पर  
आवेदक निगराकार का अतिकृमण कियाजाना बताते हुये उसके विरुद्ध अतिकृमण के  
संबंध मे उसे अर्थदण्ड से अधिरोपित करते हुये बेत्तुल किये जाने की कार्यवाही  
न्यायालय तहसीलदार टीकमगढ़ हारा प्रकरण क्रमांक ११४/अ-६८/२०१२-२०१३  
पर की जाकर आवेदक निगराकार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया  
और उसमे सुनबाई तिथि ११-१२-२०१२ को आदेशित कर आवेदक को ३४०००/-  
रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किये जाने का आदेश दिया गया है जिस आदेश के  
विरुद्ध आवेदक निगराकार ने न्यायालय अनुचिभागीय अधिकारी महोदय टीकमगढ़  
के सम्म अपील की कार्यवाही की जिसकी सुनबाई अपैठे प्रकरण क्रमांक १२। अपील  
२०१२-०१३ पर की गयी और दिनांक १७-९-२०१३ को उक्त अपील अदम पैरवी  
मे खारिज की गयी जिसअपील को पुनः नम्बर पर लिया जाकर उसकी सुनबाई किये  
जाने हेतु आवेदक निगरानीकर्ता ने अधीनस्थ न्यायालय अनुचिभागीय अधिकारी

R-820 19/11/1991

27.9.16.

प्राचीन विद्या	संग्रहीत करने
प्राचीन विद्या	करने
प्राचीन विद्या	करने
प्राचीन विद्या	करने
प्राचीन विद्या	करने
प्राचीन विद्या	करने
प्राचीन विद्या	करने
प्राचीन विद्या	करने
प्राचीन विद्या	करने
प्राचीन विद्या	करने
प्राचीन विद्या	करने
प्राचीन विद्या	करने
प्राचीन विद्या	करने
प्राचीन विद्या	करने
प्राचीन विद्या	करने
प्राचीन विद्या	करने

P  
RSC